

**हस्त पुं.** (तत्.) 1. हाथ 2. हाथी की सूँड 3. हाथ की लिखावट 4. छंद का कोई चरण या पद 5. चौबीस अंगुल की पुरानी नाप 6. एक नक्षत्र जिसमें पाँच तारे होते हैं और जिसका आकार हाथ का-सा माना गया है 7. नृत्य-संगीत में हाथ हिलाकर भाव बताने की क्रिया 8. गुच्छ या झब्बा 9. हस्त रेखाओं का अध्ययन वि. 9. हाथ का, हाथों से किया हुआ या हाथों से किया जाने वाला।

**हस्तक पुं.** (तत्.) 1. हाथ 2. नृत्य में भाव बताने के लिए बनाई जाने वाली हाथ की मुद्रा 3. संगीत में हाथ से दी जाने वाली ताल 4. करताल 5. हाथ से बजाई जाने वाली ताली या करतल ध्वनि।

**हस्तकार्य पुं.** (तत्.) हाथ से की जाने वाली कारीगरी या दस्तकारी।

**हस्त कौशल स्त्री.** (तत्.) वर और कन्या की कलाई में मंगलसूत्र बाँधने की परंपरा या रीति।

**हस्त-कौशल पुं.** (तत्.) हाथ से किए जाने वाले कामों से संबंध रखने वाला कौशल, दक्षता या सफाई।

**हस्त-क्रिया स्त्री.** (तत्.) हाथ का काम, दस्तकारी।

**हस्तक्षेप पुं.** (तत्.) 1. किसी दूसरे के काम में अनावश्यक रूप से तथा बिना अधिकार के दखल देना 2. हाथ फेंकना 3. किसी चलते या होते हुए काम में कुछ फेर-बदल करने के लिए हाथ डालना या फेर बदल करने के लिए उसके कर्ताओं से कुछ कहना।

**हस्तगत वि.** (तत्.) हाथ में आया हुआ, मिला हुआ या प्राप्त।

**हस्तग्रह पुं.** (तत्.) 1. हाथ पकड़ना 2. पाणि-ग्रहण या विवाह।

**हस्त-चापल्य पुं.** (तत्.) हाथ की चालाकी, फुरती या सफाई, हस्त-कौशल।

**हस्त-तल पुं.** (तत्.) हथेली।

**हस्त-ताल पुं.** (तत्.) हाथ से ताली बजाना।

**हस्त-त्राण पुं.** (तत्.) हाथों की रक्षा के लिए पहना जाने वाला दस्ताना।

**हस्त-दोष पुं.** (तत्.) कोई चीज तौलने, नापने आदि के समय की जाने वाली वह चालाकी जो स्वार्थवश की जाती है, देने के समय कम और लेने के समय अधिक तौलना या नापना।

**हस्त धारण पुं.** (तत्.) 1. सहारा देने के लिए किसी का हाथ पकड़ना 2. पाणिग्रहण, विवाह 3. किसी का वार हाथ पर रोकना।

**हस्त पुस्तिका स्त्री.** (तत्.) छोटे आकार की कोई ऐसी पुस्तक जिसमें किसी विषय की सभी मुख्य बातें संक्षेप में लिखी हों।

**हस्त-पृष्ठ पुं.** (तत्.) हथेली का पिछला या उल्टा भाग।

**हस्त प्रचार पुं.** (तत्.) अभिनय या नृत्य के समय की जाने वाली हाथों की चेष्टाएँ।

**हस्त-बिंब पुं.** (तत्.) शरीर में पहनने का रत्न या मणि।

**हस्त लिखित वि.** (तत्.) लेख या पांडुलिपि जो हाथ से लिखी गई हो।

**हस्त-रेखा स्त्री.** (तत्.) हाथों में बनी हुई लकीरों में से हर-एक प्राकृतिक रेखा टि. भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुसार इन लकीरों से शुभाशुभ फलों का विचार किया जाता है।

**हस्त-लाघव पुं.** (तत्.) 1. हाथ से काम करने का उत्कृष्ट कौशल 2. हाथ की चालाकी, फुरती या सफाई।

**हस्त मैथुन पुं.** (तत्.) यौन सुख की प्राप्ति के लिए पुरुष का अपने प्रजनन अंग को हाथ से जोर जोर से सहलाना जिससे वीर्य स्खलित होता है।

**हस्त-लिपिस्त्री.** (तत्.) किसी के हाथ की लिखावट या लिपि।

**हस्तलेख पुं.** (तत्.) किसी के हाथ का लिखा हुआ लेख।